लक्ष्मीबाई महाविद्यालय

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

बीए हिन्दी

(आनर्स व प्रोग्राम)

हिन्दी विभाग

2020-2021

चयन आधारित अंक ग्रहण प्रणाली (सीबीसीएस)

- सीबीसीएस एक अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली है जो छात्रों को उनकी रुचि और उद्देश्य के आधार पर अन्तःविषय, इंट्रा-डिसिप्लिनरी और कौशल आधारित पाठ्यक्रमों का चयन करने की अनुमति देती है।

- विद्यार्थी तीन तरह के कोर्स पढ़ते हैं- फाउंडेशन, चयनित (इलेक्टिव) और मुख्य (कोर)। कोर कोर्स हर सेमेस्टर में पढ़ना होता है व इलेक्टिव कोर्स विद्यार्थी अपनी इच्छा से चुनते हैं।

- मूल्यांकन प्रणाली में एकरूपता लाना और ग्रेडिंग प्रणाली से गणना पारंपरिक अंक प्रणाली से अच्छा है।

- सम्पूर्ण उच्च शिक्षा में समान ग्रेडिंग प्रणाली लागू करने से विद्यार्थियों को देश या विदेश के विश्वविद्यालय में अवसरों को प्राप्त करने में सुविधा होती है।

- विद्यार्थी रोजगार के अधिक योग्य बनते हैं।

अध्ययन के निष्कर्ष

- हिन्दी साहित्य शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों में जीवन-मूल्यों का विकास

- विद्यार्थियों को व्यावसायिक जीवन में सफलता के लिए भी तैयार करना

- साहित्य , भाषा, सिनेमा, रंगमंच और अनुवाद के पाठ्यक्रमों के बीच संतुलन कायम करते हुए विद्यार्थियों को अध्ययन का साकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना

- सरकारी कार्यालयों, शिक्षण , पत्रकारिता और अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार के असीमित अवसर

बीए (ऑनर्स) हिन्दी की संरचना

बीए हिन्दी ऑनर्स तीन वर्ष का पाठ्यक्रम है। प्रत्येक वर्ष को दो सत्रों में विभाजित किया गया है। इस प्रकार कुल छह सत्र होते हैं। प्रत्येक सत्र पंद्रह सप्ताह का होता है।

पाठ्यक्रम-

- कोर पाठ्यक्रम- सभी अनिवार्य पाठ्यक्रम
- वैकल्पिक पाठ्यक्रम- विषय आधारित ऐच्छिक (DSE)
  - कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम (SEC)
  - सामान्य ऐच्छिक (GE)
- योग्यता संवर्द्धन पाठ्यक्रम (AECC)
- हिन्दी में डिग्री प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी को अध्ययन करना होगा-

  CORE-14,

  SEC-2,

  AECC-2,

  DSE-4,

  GE-4
- इस तरह न्यूनतम 140 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे।

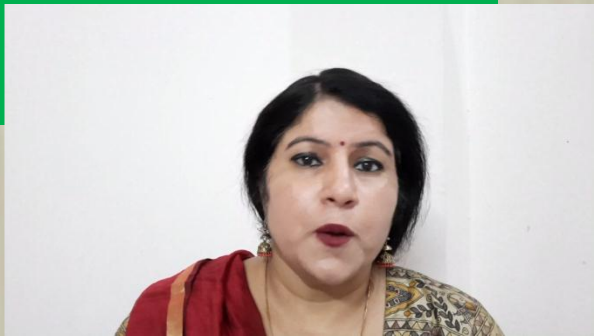

बीए हिन्दी (ऑनर्स) क्रेडिट विभाजन

➢ **क्रेडिट विभाजन (01)**

हिन्दी सामान्य (जेनरिक) ऐच्छिक पाठ्यक्रम (HGEC)

- GE-1 लोकप्रिय साहित्य अथवा हिन्दी सिनेमा और उसका अध्ययन
- GE-2 रचनात्मक लेखन अथवा पटकथा तथा संवाद लेखन
- GE-3 हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद अथवा भाषा और समाज
- GE-4 हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य अथवा भाषा शिक्षण
- SEC-1 विज्ञापन और हिन्दी भाषा
- SEC-2 कार्यालयी हिन्दी

विद्यार्थियों को GE-01, 02, 03 और 04 को 01 , 02 , 03 और 04 सत्र में अध्ययन कराया जाता है।

नोट- GE और SEC के विकल्प चयन में परिवर्तन किया जा सकता है।

➢ **क्रेडिट विभाजन (02)**

विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (DSE)

- DSE-1 हिन्दी की मौखिक और लोक साहित्य परम्परा अथवा अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य
- DSE- 2 भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच अथवा हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण अथवा कोश विज्ञान: शब्दकोश और विश्वकोश अथवा भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा
- DSE-3 लोकनाट्य अथवा हिन्दी की भाषिक विविधताएँ अथवा भारतीय साहित्य: पाठपरक अध्ययन
- DSE- 4 शोध प्रविधि अथवा अवधारणात्मक साहित्यिक पद अथवा हिन्दी रंगमंच

❖ विद्यार्थी DSE-1 और DSE-2 का सत्र-5 में व DSE-3 और DSE-4 का सत्र-6 में अध्ययन करते हैं। वे DSE पेपर में से दो-दो पेपर अपनी रुचि के अनुसार चुनाव करते हैं।

बीए ऑनर्स हिन्दी प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम

➢ प्रथम सत्र-

- AE-1 पर्यावरण विज्ञान (EVS)
- CC-1 हिन्दी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास
- CC-2 हिन्दी कविता (आदिकाल और मध्यकाल)
- GE-1 इतिहास/राजनीति विज्ञान/ समाजशास्त्र/संस्कृत विषय

➢ द्वितीय सत्र-

- AE-2 योग्यता संवर्द्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (AECC)
- CC-3 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)
- CC-4 हिन्दी कविता (रीतिकालीन काव्य)
- GE-2 इतिहास/राजनीति विज्ञान/ समाजशास्त्र/संस्कृत विषय

❖ हिन्दी ऑनर्स के विद्यार्थी को GE में राजनीति विज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्रऔर संस्कृत विषयों में से किसी एक का चयन करना होता है।

बीए हिन्दी (ऑनर्स) सत्रानुसार पाठ्यक्रम

- प्रथम सत्र

AE-1 पर्यावरण विज्ञान
CC-1 हिन्दी भाषा और लिपि का इतिहास
CC-2 हिन्दी कविता(आदिकाल और भक्तिकालीन काव्य)
GE-1

- द्वितीय सत्र

AE-2 योग्यता संवर्द्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (AECC)
CC-3 हिन्दी साहित्य का इतिहास
CC-4 हिन्दी कविता (रीतिकालीन काव्य)
GE-2

- तृतीय सत्र

CC-5 हिन्दी साहित्य का इतिहास
CC-6 हिन्दी कविता (आधुनिक काल छायावाद तक)
CC-7 हिन्दी कहानी
SEC-1 विज्ञापन और हिन्दी भाषा
GE-3

चतुर्थ सत्र

CC-8 भारतीय काव्यशास्त्र
CC-9 हिन्दी कविता (छायावाद के बाद)
CC-10 हिन्दी उपन्यास
SEC-2 कार्यालयी हिन्दी
GE-4

पाँचवाँ सत्र

CC-11 पाश्चात्य काव्यशास्त्र
CC-12 हिन्दी नाटक / एकाँकी
DSE-1
DSE-2

छठा सत्र

CC-13 हिन्दी आलोचना
CC-14 हिन्दी निबन्ध और अन्य गद्य विधाएँ
DSE-3
DSE-4

बी.ए. (प्रोग्राम) व बी.कॉम (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम संरचना

बी.ए. /बी.कॉम (प्रोग्राम)हिन्दी का तीन वर्ष का पाठ्यक्रम है। प्रत्येक वर्ष को दो सत्रों में विभाजित किया जाता है। इस प्रकार कुल छह सत्र होते हैं । प्रत्येक सत्र पंद्रह सप्ताह का होता है।

पाठ्यक्रम-

- कोर (CC) - सभी अनिवार्य (DISC)
- वैकल्पिक पाठ्यक्रम – हिन्दी योग्यता संवर्द्धक पाठ्यक्रम (MIL Language),
  - कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम (SEC)
  - सामान्य ऐच्छिक (GE)
- योग्यता संवर्द्धक अनिवार्य पाठ्यक्रम (AECC)

- बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी में डिग्री प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी को निम्नलिखित विषयों का अध्ययन करना होता है-

  CORE- 12, SEC- 04 , AECC/EVS- 2 , GE-02, MIL- 02
- इस प्रकार न्यूनतम 120 क्रेडिट प्राप्त करने होते हैं।

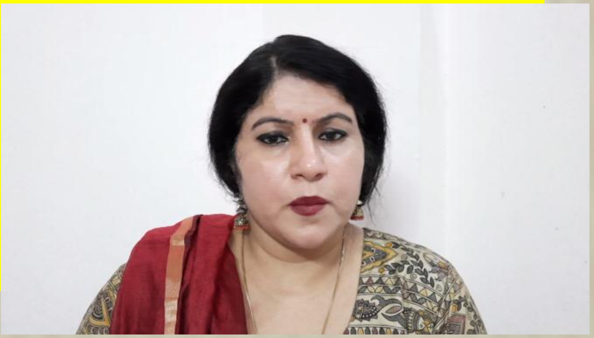

बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी पाठ्यक्रम क्रेडिट विभाजन

हिन्दी सामान्य ऐच्छिक (GE/SEC) पाठ्यक्रम

- SEC-1 कार्यालयी हिन्दी
- SEC- 2 विज्ञापन और हिन्दी भाषा
- SEC-3 भाषा शिक्षण
- SEC-4 कंप्यूटर और हिन्दी भाषा
- GE-1 अनुवाद: व्यवहार और सिद्धान्त अथवा जनपदीय साहित्य
- GE-2 अस्मितामूलक अध्ययन और हिन्दी साहित्य अथवा हिन्दी सिनेमा और उसका अध्ययन
- बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी में SEC-1, SEC-2, SEC-3 और SEC-4 को क्रमश: सत्र-3, सत्र-4 , सत्र -5 और सत्र-6 में पढ़ना होता है।

- GE-1 और GE-2 को क्रमश: सत्र-5 और सत्र-6 में पढ़ना होता है।
- नोट- GE और SEC के विकल्पों के चयन में परिवर्तन किया जा सकता है।

बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी सत्र के अनुसार पाठ्यक्रम

पहला सत्र -

AE-1 हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण (AECC)

CC-1 हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

CC-2 इतिहास/राजनीति विज्ञान विषय

MIL – अंग्रेज़ी ए या बी या सी

दूसरा सत्र –

AE-2 पर्यावरण विज्ञान

CC-2 हिन्दी कविता (मध्य काल और आधुनिक काल)

CC-2 इतिहास/राजनीति विज्ञान विषय

MIL- हिन्दी ए या बी या सी

तीसरा सत्र –

CC-3 हिन्दी कथा साहित्य

CC-3 इतिहास/राजनीति विज्ञान विषय

MIL- हिन्दी ए या बी या सी

SEC- कार्यालयी हिन्दी

चौथा सत्र-

CC-4 अन्य गद्य विधाएँ

CC-4 इतिहास/राजनीति विज्ञान विषय

SEC- विज्ञापन और हिन्दी भाषा

MIL- अंग्रेज़ी ए या बी या सी

पाँचवाँ सत्र-

CC-5 हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण अथवा हिन्दी रंगमंच अथवा हिन्दी का मौखिक साहित्य और उसकी परंपरा

CC-5 इतिहास/राजनीति विज्ञान विषय

SEC- भाषा शिक्षण

GE-1 अनुवाद : व्यवहार और सिद्धान्त अथवा जनपदीय साहित्य

छठा सत्र-

CC-6 साहित्य चिंतन अथवा कोश विज्ञान : शब्द कोश और विश्वकोश अथवा विशेष अध्ययन – एक प्रमुख साहित्यकार

CC-6 इतिहास/राजनीति विज्ञान विषय

SEC- कंप्यूटर और हिन्दी भाषा

GE-2 अस्मितामूलक अध्ययन और हिन्दी साहित्य अथवा हिन्दी सिनेमा और उसका अध्ययन

नोट- SEC एवं GE और सत्र-5 एवं सत्र-6 के विकल्पों के चयन में परिवर्तन किया जा सकता है। MIL हिन्दी ए ,बी और सी को 12 वीं, 10 वीं और आठवीं तक हिन्दी पढ़ने वाले विद्यार्थियों को पढ़ाया जाता है।

बी.कॉम (प्रोग्राम) हिन्दी पाठ्यक्रम विभाजन

- बी. कॉम (प्रोग्राम) के विद्यार्थियों को दूसरे और तीसरे सत्र में MIL हिन्दी ए या बी या सी का अध्ययन करना होता है।
- 12 वीं तक हिन्दी पढ़ने वाले विद्यार्थी हिन्दी 'ए', 10 वीं तक हिन्दी पढ़ने वाले विद्यार्थी हिन्दी 'बी' और 8 वीं तक हिन्दी पढ़ने वाले विद्यार्थी हिन्दी 'सी' का अध्ययन करते हैं।
- बी. कॉम (प्रोग्राम) के विद्यार्थियों को सत्र-5 और सत्र-6 में हिन्दी सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (GE) का अध्ययन कराया जाता है।
- बी.ए (प्रोग्राम) और बी.कॉम (प्रोग्राम) के MIL हिन्दी और GE हिन्दी के विषयों के शीर्षक तो समान हैं लेकिन दोनों के पाठ्यक्रमों में थोड़ा अंतर है।

रोजगार के अवसर

- हिन्दी की अत्यधिक लोकप्रियता और बढ़ते राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय महत्व के कारण हिन्दी के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई है।
- पत्रकारिता, लोक सेवा, शिक्षण और अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की बहुलता
- केन्द्र और हिन्दी भाषी राज्य सरकारों के कार्यालयों में हिन्दी में कार्य करने की अनिवार्यता के कारण हिन्दी अधिकारी, हिन्दी अनुवादक, हिन्दी सहायक, राजभाषा प्रबन्धक जैसे पदों पर बहाली के असीमित अवसर

पाठ्यसहगामी क्रियाएं

- संगोष्ठी, विशेष व्याख्यान, फिल्म प्रदर्शन, साहित्यिक प्रतियोगिताओं आदि के आयोजन द्वारा शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना

- महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका ज्योति के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता का विकास

- हिन्दी साहित्य परिषद के माध्यम से विभिन्न साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन